| , THE TRUEWITNESS AMD CATHOLIC CHRONICLE. - DECEMBES $16,1859$. |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 㑑 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| \% |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  gallo th the distaniee,"$\qquad$ |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| "I'll explain't to your hoinor, if you'li'wait in a jittle re |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| O"Byrne consented, ainc Daly proceeded as follows:- |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  <br>  <br> Jezablel-Eilizabeth-was a period of sof sorow an |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| briary glens, which he often dyed with the blood of his screaniurs yictims. These poor outlaws |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| in secret places, and beep watch and ward on the movements of Old Proby, and tly with the news |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| hojpliss, and breathless, and silent; thear object in mriding was to dehberate as to what coursethey nondid adopt under present circumstances. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Proby: was out that sery night, scournag the <br>  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Ha fike fire, and great tuiks as stie as snow and lie rrasing, and screeching, and rumning, as |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| yelling in the slape of blond-hounds, a-hunting their hormer master, toon until day of judgment." |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| clamed one of the party; " don't you hear the hoofs?" |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| "Here's the horseman, hy he haws sureenough. Heree's Kevii Dash. Here's slie white Mesesenger $\qquad$ |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| arrangement when the horseman passed hai withthe impetuosity of a whirl wind. As he swept |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| along he thung at O'Byrne's fect the large leter which he had been previously waving over his lead-then continued his course without utter- |  |  |  |  |
| laya a rord of explimation, ind was soon lost to |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Gun himself who lent a sanction to it by lis at titude of undisguised terror. Riclart, mean |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Inoked at all its sides and all its extremities as if |  |  |  |  |
| not a figment of lis own brain. He vainly tried clouded moon ddd not admit of this.s./ But be could easily see to his no small astonıshmen |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| OPByrue felt anindefinable appretuension and |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

